जो देखकर भी नहीं देखते

हेलेन केलर

कभी-कभी मैं अपने मित्रों की परीक्षा लेती हूँ, यह परखने के लिए कि वे क्या देखते हैं । हाल ही में मेरी एक प्रिय मित्र जंगल की सैर करने के बाद वापिस लौटीं । मैंने उनसे पूछा, ''आपने क्या-क्या देखा ?''

''कुछ खास तो नहीं,'' उनका जवाब था । मुझे बहुत अचरज नहीं हुआ क्योंकि मैं अब इस तरह के उत्तरों की आदी हो चुकी हूँ । मेरा विश्वास है कि जिन लोगों की आँखें होती हैं, वे बहुत कम देखते हैं ।

क्या यह संभव है कि भला कोई जंगल में घंटा भर घूमे और फिर भी कोई विशेष चीज न देखे ? मुझे- जिसे कुछ भी दिखाई नहीं देता, भी सैकड़ों रोचक चीजें मिल जाती हैं, जिन्हें मैं छूकर पहचाना लेती हूँ । मैं भोर्ज-पत्र के पेड़ की चिकनी छाल और चीड़ की खुरदरी छाल को स्पर्श से पहचान लेती हूँ ।

वसंत के दौरान मैं टहनियों में नयी कलियाँ खोजती हूँ । मुझे फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह छूने और उनकी घुमावदार बनावट महसूस करने में अपार आनंद मिलता है । इस दौरान मुझे प्रकृति के जादू का कुछ अहसास होता है । कभी, जब मैं खुशनसीब होती हूँ, तो टहनी पर हाथ रखते ही किसी चिड़िया के मधुर स्वर कानों में गूँजने लगते हैं । अपनी अँगुलियों के बीच झरने के पानी को बहते हुए महसूस कर मैं आनंदित हो उठती हूँ । मुझे चीड़ की फैली पत्तियाँ या घास का मैदान किसी भी महँगे कालीन से अधिक प्रिय हैं । बदलते हुए मौसम का समाँ मेरे जीवन में एक नया रंग और खुशियाँ भर जाता है ।

कभी-कभी मेरा दिल इन सब चीजों को देखने के लिए मचल उठता है । अगर मुझे इन चीजों को सिर्फ छूने भर से इतनी खुशी मिलती है, तो उनकी सुंदरता देखकर तो मेरा मन मुग्ध ही हो जाएगा । परंतु, जिन लोगों की आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं । इस दुनिया के अलग-अलग सुंदर रंग उनकी संवेदना को नहीं छूते ।

मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता । वह हमेशा उस चीज की आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं है ।

यह कितने दु:ख की बात है कि दृष्टि के आशीर्वाद को लोग एक साधारण-सी चीज समझते हैं ।

शब्द-अर्थ

परखना - जाँच करना;
सैर - भ्रमण;
अचरज - आश्चर्य;
आदी - अभ्यस्त;
रोचक - रुचि बढ़ानेवाला;
खुशनसीब - भाग्यवान;
समाँ - वातावरण, माहौल;
मुग्ध - मोहित;
कदर - गुणों की पहचान ।

अनुशीलनी

१. समझो और लिखो :

(I) 'जिन लोगों के पास आँखें हैं वे सचमुच बहुत कम देखते हैं' - हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगा ?

(ii) हेलेन को किस काम में अपार आनन्द मिलता है ?

(iii) हेलेन अपने को खुशनसीब कब मानती हैं ?

(iv) हेलेन-केलर प्रकृति की किन किन चीजों को छूकर और सुनकर पहचान लेती थीं ?

(v) मनुष्य हमेशा किस चीज की आस लगाए रहता है ?

(vi) लोग किसे एक साधारण-सी चीज समझते हैं ?

भाषाबोध : -

२. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाओ ।

चिकना -

मुलायम-

सख्त -

ऊबड़-खाबड़ -

३. नीचे कुछ समरूपी शब्द दिए गए हैं, वाक्य बनाकर उनके अर्थ स्पष्ट करो-

में - मैं

मेल - मैल

ओर - और

दिन - दीन

४. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताओ ।

मिठाई - स्त्रीलिंग

भूख -

शांति -

भोलापन -

मौसम-

स्वर-

❖ ❖ ❖